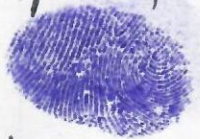


15/7/17

पत्रावली आज वाजस्व लोक अदालत न्याय
 कार्य के द्वार के प्रेगा के न्य सेवा में पेश हुई।
 प्रार्थना मय वकील उपय - यदि मूलवाद जरिये
 राजीनामा विद्रो किया जा चुका है। अब इस
 आविदन में आग्राम कार्यवाही का कोई अर्थ न्य
 नहीं रहा। अतः इस में आगामी कार्यवाही
 इसी स्तर पर समाप्त कर न्यायालय
 द्वारा जारी स्पजान कोदेश दि. 20.12.07 को
 निरस्त किया जाता है। पत्रावली फौजदारी
 शुभार होकर वाजिमल वाफतर हो। अगला
 लेखक ये।

सहायक कलक्टर
 जोहटन

R. T. D. J.



F. d.

[Handwritten signature]

[Handwritten initials]